ISSN 2277-5331

हाशिये की आवाज़

संघर्षरत् लोगों की प्रथम मासिक पत्रिका

दिसम्बर 2016 वर्ष : 11 अंक : 12 कवर सहित पृष्ठों की सं. 44

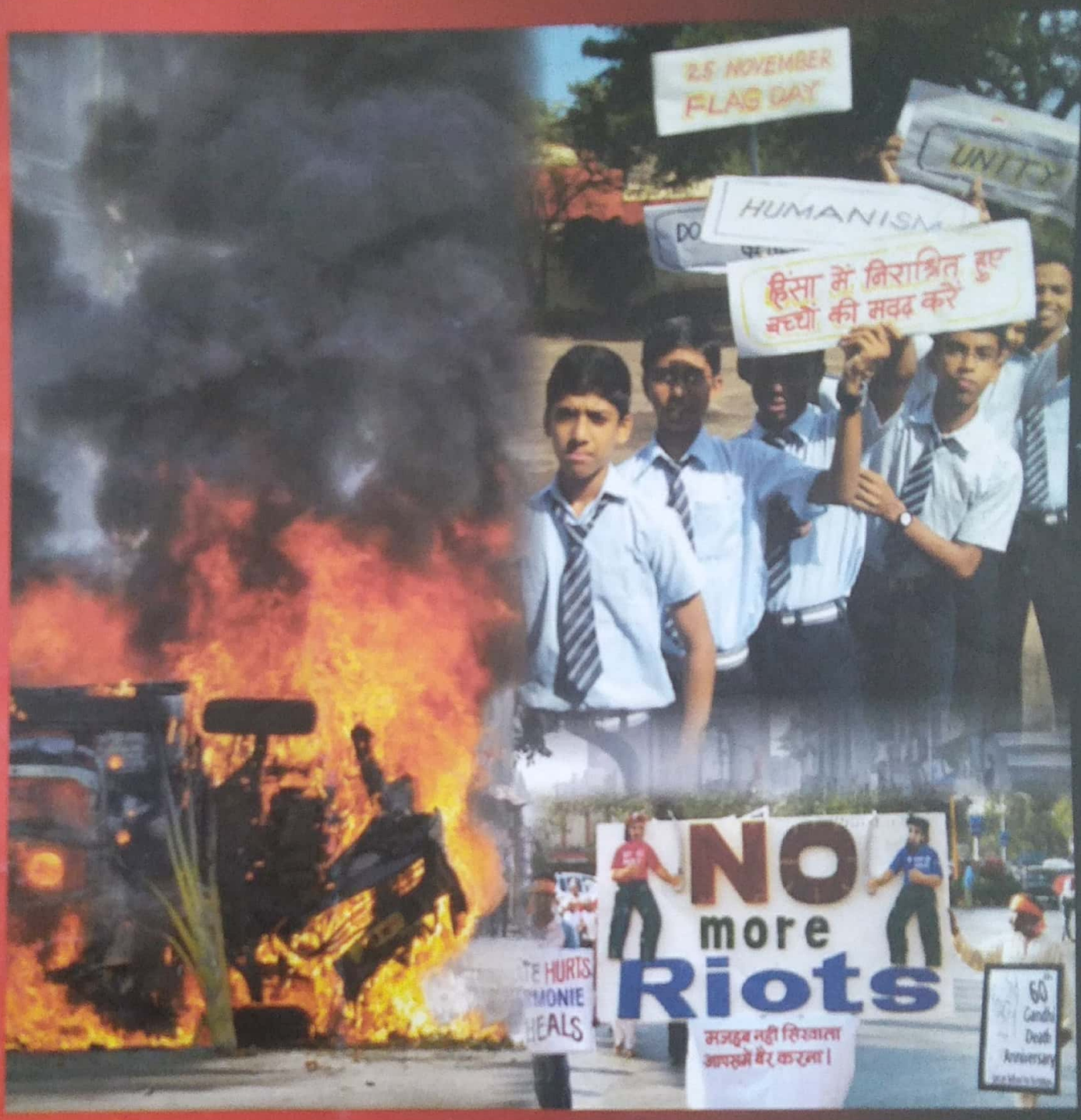

साम्प्रदायिकता की दहशत और सिसकती मानवीयता

Scanned with CamScanner

हाशिये की आवाज़

संघर्षरत् लोगों की प्रथम मासिक पत्रिका

संपादक
रंजित तिग्गा

संयुक्त संपादक
कमलकान्त प्रसाद

सह-संपादक
रत्नेश कातुलकर

सम्पादन सहयोग
सैयद परवेज़

सदस्यता शुल्क
वार्षिक : ₹ 150
द्विवार्षिक : ₹ 300
आजीवन : ₹ 3500

सदस्यता शुल्क राशि डी.डी./ पोस्टल ऑर्डर/मनीऑर्डर द्वारा इंटीग्रेटेड सोशल इनिशिएटिव्स के नाम पर भेजें।

इंटीग्रेटेड सोशल इनिशिएटिव्स
(Integrated Social Initiatives)
10-इन्स्टीट्यूशनल एरिया
लोदी रोड, नई दिल्ली–110003
फोन : 011-49534156/132
वेब : www.isidelhi.org.in
ईमेल : hka@isidelhi.org.in

'हाशिये की आवाज' के जिन सदस्यों को किन्हीं तकनीकी कारणों से अपनी प्रति प्राप्त नहीं हुई है, वे इस विषय में हमें तीन माह के भीतर सूचित कर निःशुल्क वैकल्पिक प्रति प्राप्त कर सकते हैं, किन्तु तीन महीनों के उपरान्त मिलने वाली सूचना पर हम आपको निःशुल्क प्रति उपलब्ध कराने में असमर्थ रहेंगे।

विषय-सूची

हिंसा और साम्प्रदायिकता के शिकंजे में मानवीयता 1
सम्पादकीय

साम्प्रदायिक हिंसा...मशीनरी के कारनामे (विशेष आलेख) 2
एडवोकेट इरफान इंजीनियर

राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय द्रोह की सभी हदें पार (प्रमुख आलेख) 7
पंकज के. सिंह

भारत में अल्पसंख्यकों के लिए न्याय कहां? 11
राम पुनियानी

राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर ज्यादतियों की अनकही दास्तां 13
नेहा दाभाड़े

दिव्यांगों के मानवाधिकार एवं शिक्षा 16
डॉ. अमिता जैन

अमानवीय, असंवेदनशील और सामाजिक शून्यता का आलम 18
मुकेश कुमार

आखिर हिरण को कब मिलेगा न्याय? 21
आकांक्षा यादव

हमारे विचार-शत्रु...साम्प्रदायिक हैं-भंवर मेघवंशी (आमने-सामने)
विद्या भूषण रावत

भ्रष्टाचार निवारण सम्बन्धी कानून (कानूनी दस्तावेज-शेष भाग)
शालू निगम

अछूत कौन?(दलित कथा)
डॉ. नरेश सागर 'राजू'

यदि बाबा साहेब होते! (कड़वी हकीकत)
रत्नेश कातुलकर

डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रभक्त थे, देशद्रोही नहीं 34
राजनलाल जावा 'निर्मोही'

कवियों की पंक्तियां 36
श्रीमती संध्या दत्ता कदम, आदिल खान, देवेन्द्र कुमार मिश्रा

दो धाराओं का केन्द्र बिन्दु है गया (पुस्तक समीक्षा) 37
सैयद परवेज

जांच रिपोर्ट

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की पूर्वाग्रहग्रस्त...रवैया 39

आवरण डिजाइन : रूबेन मिंज

हाशिये की आवाज में प्रकाशित लेख एवं उनमें व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। संपादक, प्रकाशक तथा मुद्रक लेखों में व्यक्त विचारों के लिए किसी तरह भी जिम्मेदार नहीं हैं।

Scanned with CamScanner